ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक:29.12.2023

उधम सिंह नगर(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान – जारी करने का दिन :2023-12-29 (अगले5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसमकारक	30/12/2023	31/12/2023	01/01/2024	02/01/2024	03/01/2024
वर्षा (मीमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	21.0	22.0	22.0	22.0	22.0
न्यूनतम तापमान(से.)	8.0	7.0	6.0	4.0	4.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	75	75	75	70	70
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	35	35	30	30	30
हवा की गति (किमीप्रतिघंटा)	4	6	6	6	6
पवन दिशा (डिग्री)	320	320	320	320	320
क्लाउड कवर (ओक्टा)	1	5	1	1	1

सम सारांश / चेतावनी:

पिछले सात दिनों (22 से 28 दिसंबर) में 0 मिमी वर्षा दर्ज की गई थी, जिसमें अधिकतम और न्यूनतम तापमान 24.0 से 25.5 डिग्री सेल्सियस और 6.2 से 8.0 डिग्री सेल्सियस के बीच था। पिछले सप्ताह के दौरान क्षेत्र में 28 दिसंबर को मध्यम कोहरे को छोड़कर अधिकांश दिनों में मौसम साफ रहा। 0712 बजे सुबह की सापेक्ष आर्द्रता 89 से 95% के बीच और शाम की सापेक्ष आर्द्रता 1412 बजे 37 से 50% के बीच रही। हवा की गति 0.9 से 1.9 किमी प्रति घंटा थी और हवा की दिशा उत्तर-पूर्व और उत्तर-उत्तर-पूर्व थी। आगामी 5 दिनों के पूर्वानुमान से पता चलता है कि बारिश नहीं होगी, लेकिन धूमिल दिनों में आंशिक बादल छाए रहने की संभावना है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान 21.0-22.0 डिग्री सेल्सियस और 4.0-8.0 डिग्री सेल्सियस रहेगा। 4-6 किमी प्रति घंटे की रफ्तार वाली हवाएं ज्यादातर उत्तर-पश्चिम दिशा से चलेंगी। 29 और 30 दिसंबर, 2023 को उधम सिंह नगर के अलग-अलग स्थानों में घने से बहुत घने कोहरे की अवधि के दौरान शुष्क मौसम रहने की संभावना है। उत्तराखंड के अलग-अलग स्थानों में घने से बहुत घने कोहरे की के बारे में नारंगी चेतावनी और पीली चेतावनी क्रमशः 29 और 30 दिसंबर के लिए इंगित की गई है।

सामान्य सलाहकार:

मौसम पूर्वानुमान और कृषि मौसम संबंधी सलाह नियमित रूप से "मेघदूत" पर अपडेट की जाती है और बिजली की जानकारी प्राप्त करने के लिए "दामिनी ऐप" भी उपलब्ध है। मेघदूत और दामिनी ऐप को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड उपयोग कर्ता) और ऐप सेंटर (iOS उपयोग कर्ता) से डाउनलोड किया जा सकता है। एनडीवीआई कंपोजिट क्षेत्र में मध्यम कृषि शक्ति को दर्शाता है। विस्तारित रेंज पूर्वानुमान प्रणाली 29 दिसंबर से 04 जनवरी तक कम वर्षा की प्रवृत्ति को इंगित करती है और क्रमशः अधिकतम और न्यूनतम तापमान में सामान्य और सामान्य से ऊपर की भविष्यवाणी करती है। फसल को पाले से होने वाले नुकसान से बचाने के लिए नए बागों में सिंचाई की जानी चाहिए। नए पौधों/अंकुरों को पाले से होने वाली क्षति से बचाना चाहिए। खेतों में नियमित रूप से निराई और गुड़ाई की जानी चाहिए।

लघु संदेश सलाहकार:

घने कोहरे की स्थिति के साथ मौसम शुष्क रहने की उम्मीद है, इसलिए सभी कृषि गतिविधियों को तदनुसार निर्धारित किया जाना चाहिए।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	अवस्था	फ़सल विशिष्ट सलाह
चना/मसूर	वानस्पतिक/ फूल आना	फसल की नियमित निगरानी की जानी चाहिए और उचित अंतराल पर गुड़ाई और निराई का कार्य किया जाना चाहिए। आवश्यकतानुसार सिंचाई की जानी चाहिए। तना मक्खी एवं पत्ती सुरंगक कीट के लिए फसलों की नियमित निगरानी की जानी चाहिए और अनुशंसित रासायनिक अनुप्रयोग किया जाना चाहिए।
राइ एवं तोरिया (लाही) / पीली सरसों	फूल आना/ फली बनना	फूल आने और फली बनने की अवस्था में देर से बोई गई फसल में सिंचाई करनी चाहिए। रोग/कीट होने की स्थिति में अनुशंसित प्रथाओं का पालन किया जाना चाहिए। माहु कीट को नियंत्रित करने के लिए, जब कीट आर्थिक सीमा स्तर (10-15 पौधों पर तने की ऊपरी शाखा में 26-28 माहु प्रति 10 सेमी ऊपरी शाखा) से ऊपर पाए जाने पर डाइमेथोएट 30 ईसी @500 मिली लगाएं या थियामेथोक्सम 25 डब्ल्यूजी @100 ग्राम को 600-700 लीटर पानी प्रति हेक्टेयर में मिलाकर 10 दिनों के अंतराल पर छिड़काव करना चाहिए।सितम्बर में बोई गई फसल में जब 75% फलियाँ सुनहरे रंग की हो जाएँ तब फसल की कटाई करें।
गेहू	अंकुरण /वानस्पतिक	गेहूं की देर से बुवाई करने से पकने की अवस्था के दौरान होने वाली गर्मी के तनाव की स्थिति के कारण उपज कम हो जाती है। आवश्यकतानुसार सिंचाई करनी चाहिए।
जौ	वानस्पतिक	फसल में निराई और गुड़ाई के संचालन के साथ नियमित निगरानी

		की जानी चाहिए। आवश्यकतानुसार सिंचाई की जानी चाहिए।
गन्ना	वानस्पतिक	पाले की स्थिति में फसल की नियमित निगरानी और सिंचाई की आवश्यकता होती है।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	अवस्था	बागवानी विशिष्ट सलाह
फूलगोभी	वानस्पतिक	फूलगोभी में हल्की सिंचाई करनी चाहिए। कोल फसलों में लीफ स्पॉट रोग को नियंत्रित करने के लिए, मैनकोज़ेब 75 डब्ल्यूपी का छिड़काव 2-3 बार करना चाहिए।
प्याज	रोपाई	प्याज की रोपाई 15 जनवरी तक पूरी कर ली जानी चाहिए। लाइन से लाइन और पौधे से पौधे की दूरी क्रमशः 15 और 10 सेमी होनी चाहिए।
सब्जीमटर	वानस्पतिक/ फूल आना	निराई-गुड़ाई के साथ-साथ तना मक्खी एवं पत्ती सुरंगक कीट के लिए अनुशंसित रासायनिक अनुप्रयोगों का पालन किया जाना चाहिए।
टमाटर/मिर्च	फूल/फल बनना	फसल में रोग फैलाने वाले कीड़ों की जाँच की जानी चाहिए और तदनुसार नियंत्रित किया जाना चाहिए।
आलू	वानस्पतिक	आलू में लेट ब्लाइट रोग को नियंत्रित करने के लिए, मैनकोज़ेब 2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी के दर से घोल बनाकर छिड़काव किया जाना चाहिए।
आम	पेड़	गुजिया कीट को पेड़ पर चढ़ने से रोकने के लिए इस माह के अंतिम सप्ताह में पेड़ के तने को 40 सेमी ऊंचाई तक बारीक मिट्टी की परत से ढक देना चाहिए। पेड़ के तने को 400 गेज मोटी पॉलिथीन की 25 सेमी चौड़ी पट्टी से लपेटकर मजबूत रस्सी (सुतली) की मदद से बांध देना चाहिए। इसके साथ ही घुन को चढ़ने से बचाने के लिए निचले हिस्से में ग्रीस अवश्य लगाना चाहिए।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	पशुओं को ठंड से बचाने के लिए पशुओं के भोजन में तेल एवं गुड़ की मात्रा बढ़ा दें। पशुओं को अजवायन और गुड़ भी खिलाएं। पशुओं को ठंड से बचाने के लिए शेड में उचित व्यवस्था करनी चाहिए। पशुओं को रिंडरपेस्ट रोग (शीतला रोग) से बचाने के लिए टीकाकरण कराना चाहिए।
भैंस	पशुओं को ठंड से बचाने के लिए पशुओं के भोजन में तेल एवं गुड़ की मात्रा बढ़ा दें। पशुओं को अजवायन और गुड़ भी खिलाएं। पशुओं को ठंड से बचाने के लिए शेड में उचित व्यवस्था करनी चाहिए। पशुओं को रिंडरपेस्ट रोग (शीतला रोग) से बचाने के लिए टीकाकरण कराना चाहिए।